Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 10 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- महिला सशक्तिकरण जितना नैतिकता का विषय है उतना ही न्याय का। टिप्पणी करें।

(150 शब्द)

Women empowerment is as much a subject of justice as it is of morality. Comment. (150 Words)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

एक महिला द्वारा अपने दैनिक जीवन से जुड़े विषयों के संबंध में बंधन मुक्त फैसला/निर्णय लेना महिला सशक्तिकरण कहलाता है। महिला समाज का आधा हिस्सा होने के कारण उपलब्ध संसाधनों पर उनका अधिकार होना केवल एक नैतिक विषय ही नहीं, अपितु न्यायिक विषय भी है। जिसे निम्न रूपों में देखा जा सकता है।

मुख्य विषय वस्तु-

- नैतिकता से अभिप्राय मानव के उन सभी आचरणों से है, जिसमें उचित/अनुचित, शुभ/अशुभ इत्यादि का समावेश होता है। अर्थात् नैतिकता मनुष्य के कर्म से जुड़े उन अवयवों को दर्शाता है। जिसके माध्यम से व्यक्ति के शुभ/अशुभ तथा उचित/अनुचित कार्यों का निर्धारण होता है।
- यही मानदण्ड नैतिक व्यवहारों यथा ईमानदारी, सहयोग, समझौता, त्याग, उदारता एवं न्याय की आकांक्षा, संविधान का सम्मान, समता का भाव, व्यक्ति की गरिमा का सम्मान अन्तर्संबंधों पर आधारित सामाजिक सौहार्द की माँग तथा स्थापना पर बल देता है।
- इस आधार पर महिला सशक्तिकरण सहयोग, समता, उदारता, समाजिक सौहार्द तथा संविधान के प्रावधान के तहत न्याय की माँग है।
- ऐसे में महिला सशक्तिकरण पुरूष वर्ग से नैतिकता की माँग और विषय दोनों है।
- भारतीय संविधान एवं कानून सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रावधान करता है, परन्तु पुरूष वर्ग में नैतिकता तथा नैतिक व्यवहारों की कमी के कारण यह केवल एक दस्तावेज है, जिसका प्रायः अवसर के अनुसार प्रयोग होता रहा है, इस आधार पर महिला सशक्तिकरण को नैतिकता और कानूनी न्याय दोनों संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *

GS World Committed to Excellence